

ग्रिड-इंडिया को मनीरतन कंपनी का दर्जा

स्रोत: पी.आई.बी.

ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया लिमिटेड (ग्रिड-इंडिया) ने भारत सरकार के वदियुत मंत्रालय से **मनीरतन श्रेणी-I केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (Central Public Sector Enterprise- CPSE)** का दर्जा प्राप्त करके एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है जो वदियुत परदृश्य में ग्रिड-इंडिया की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है।

- वर्ष 2009 में स्थापति, GRID-INDIA भारतीय वदियुत प्रणाली के नरिबाध संचालन की देखरेख करता है, जिससे क्षेत्रों के भीतर और पार कुशल वदियुत हस्तांतरण सुनिश्चित होता है।
 - यह **5 रज़िनल लोड डिसिपैच सेंटर (RLDC)** और **नेशनल लोड डिसिपैच सेंटर (NLDC)** के माध्यम से अखिल भारतीय सकिरोनस ग्रिड का प्रबंधन करता है, जो वदियुत परदृश्य में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- GRID-INDIA एकिकृत वदियुत प्रणाली संचालन के लिये वशि्वसनीयता, स्थरिता और नषिपक्ष प्रतसिपर्द्धा को प्राथमकता देते हुए प्रतसिपर्द्धी वदियुत बाज़ारों का प्रबंधन करता है।

CPSE का वर्गीकरण

| श्रेणी | शुरुआत | मानदंड | उदाहरण |
|--------|---|--|---|
| महारतन | मेगा CPSE को अपने परचालन का वसितार करने और वैश्विक अग्रणी के रूप में उभरने की दशा में सशक्त बनाने के लिये मई, 2010 में CPSE हेतु महारतन योजना शुरु की गई थी। | <ul style="list-style-type: none"> • नवरतन का दर्जा प्राप्त हो। • भारतीय प्रतभिता और वनिमिय बोर्ड (SEBI) नयिमों के तहत नयूनतम नरिधारति सार्वजनिक शेयरधारति के साथ भारतीय सटॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध। • वगित 3 वर्षों के दौरान औसतन 25,000 करोड़ रुपए से अधिक का वार्षिक कारोबार। • वगित 3 वर्षों के दौरान औसत वार्षिक नविल संपतर्ता 15,000 करोड़ रुपए से अधिक हो। • वगित 3 वर्षों के दौरान 5,000 करोड़ रुपए से अधिक का कर उपरांत औसत वार्षिक शुद्ध लाभ होना चाहयि। • महत्त्वपूर्ण वैश्विक उपस्थति/अंतरराष्ट्रीय संचालन होना चाहयि। | भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड, GAIL (इंडिया) लिमिटेड आदि। |
| नवरतन | नवरतन योजना वर्ष 1997 में उन CPSE की पहचान करने के लिये शुरु की गई थी जो अपने संबंधित क्षेत्रों में तुलनात्मक लाभ उठाते हैं और वैश्विक अग्रणी बनने के उनके अभियान में | <ul style="list-style-type: none"> • मनीरतन श्रेणी- I और अनुसूची 'A' CPSE, जनिहोंने पछिले 5 वर्षों में से 3 में समझौता ज्ञापन प्रणाली के तहत 'उत्कृष्ट' | भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, हदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड आदि। |

| | | | |
|-----------------------|---|---|--|
| | <p>उनका समर्थन करते हैं।</p> | <p>या 'बहुत अच्छी' रेटिंग प्राप्त की है तथा जनिका छह चयनित प्रदर्शन मापदंडों में 60 या उससे अधिक का समग्र स्कोर है, अर्थात्-</p> <ul style="list-style-type: none"> ◦ नविल लाभ से नविल मूल्य। ◦ उत्पादन/सेवाओं की कुल लागत में जनशक्ति लागत। ◦ नयोजित पूंजी पर मूल्यह्रास, ब्याज और करों से पूर्व लाभ। ◦ टर्नओवर के लिये ब्याज और करों से पूर्व लाभ। ◦ प्रतियोगिता आय। ◦ अंतर-क्षेत्रीय प्रदर्शन। | |
| <p>मनीरत्न</p> | <p>सार्वजनिक क्षेत्र को अधिक कुशल और प्रतियोगिता बढ़ाने तथा लाभ अर्जित करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को बढ़ी हुई स्वायत्तता एवं शक्तियों का प्रतिनिधिमंडल प्रदान करने के नीतिगत उद्देश्य से वर्ष 1997 में मनीरत्न योजना शुरू की गई थी।</p> | <ul style="list-style-type: none"> • मनीरत्न श्रेणी- I: जिन CPSE ने पिछले 3 वर्षों में लगातार लाभ अर्जित किया है, उनका कर-पूर्व लाभ तीन वर्षों में से कम-से-कम एक वर्ष में 30 करोड़ रुपए या उससे अधिक है और जिनकी नविल संपत्ति धनात्मक है, वे मनीरत्न-I का दर्जा देने के लिये विचार किये जाने के पात्र हैं। • मनीरत्न श्रेणी- II: जिन CPSE ने पिछले 3 वर्षों से लगातार लाभ अर्जित किया है और उनकी नविल संपत्ति धनात्मक है, वे मनीरत्न- II का दर्जा देने के लिये विचार करने के पात्र हैं। • मनीरत्न CPSEs को सरकार के किसी भी ऋण पर ऋण/ब्याज भुगतान के पुनर्भुगतान में चूक नहीं करनी चाहिये। • मनीरत्न CPSEs बजटीय सहायता या सरकारी गारंटी पर निर्भर नहीं होनी चाहिये। | <ul style="list-style-type: none"> • उदाहरण (श्रेणी- I): भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, एंटरप्रिजिज कॉर्पोरेशन लिमिटेड, आदि। • उदाहरण (श्रेणी- II): भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO), भारत पंप्स एंड कंप्रेसर्स लिमिटेड (BPCL), आदि। |

और पढ़ें: [REC को महारत्न का दर्जा](#)